

रजिस्टर्ड नं० एल०-३३/एस० एम०/१३-१४/९५.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, ८ मई, १९९५/१८ वैशाख, १९१७

हिमाचल प्रदेश सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

अधिसूचना

शिमला-२, २५ अप्रैल, १९९५

संख्या एच० एफ० डी० बी० (एफ०) ४-१३/९४. — राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, सिविल डिस्पेंसरी पांगणा को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उत्थानित करने के आदेश जो कि इस विभाग के अब समसंख्यक दिनांक १६-९-९४ द्वारा किए गए थे, को तत्काल से रद्द करने के आदेश देते हैं।

शुद्धि पत्र

शिमला-2, 28 अप्रैल, 1995

संख्या एचओ (एफओ) डब्ल्यू 0-पी 0 (एफओ) 4-13/94.—इस विभाग के समसंयुक्त अधिसूचना विनोद 24-4-95, जिसमें स्वास्थ्य उप कोष्ठ, मिथल डिस्ट्रिक्ट को पार्यायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उत्थापित किया गया है, के क्रम संख्या 1 पर मिथल डिस्ट्रिक्ट चोक (नदी) के आगे जिला मिडॉ के स्थान पर ह्यूमरपुर तथा स्वास्थ्य उप कोष्ठ जालन के स्थान पर जलौग पड़ा जाये।

आदेश द्वारा,

जे 0 पी 0 मेरी,

आयुक्त एवं सचिव।

HOME DEPARTMENT

ORDER

Shimla-2, the 26th April, 1995

No. Home(A)F(12)1/92-II.—Whereas the Forest Department, Government of Himachal Pradesh have informed that they have created Flying Squads in the Pradesh to check smuggling of Forest Produce and illicit felling of trees in the forests of State;

And Whereas the said Department have also informed that there is necessity of creating separate Squads unearthing crime relating to felling of trees and smuggling of timber, the Forest Department may be allowed to keep 6 Revolvers/Pistols without licence as the employees of Forest Department like the Excise and Taxation Department fall under the definition of Public Servants;

And Whereas, the Government of Himachal Pradesh in pursuance of provisions of in Section 45 (b) (ii) of Indian Arms Act, 1959 exempt the Forest Department Himachal Pradesh for keeping 6 Revolvers/Pistols to be arranged by them subject to the following conditions to avoid any misuse of arms and ammunition by the Forest Department :-

1. the arms and ammunition purchased by the Forest Department would be kept in safe custody by them.
2. the Forest Department would maintain a Register of ammunition. Every cartridge or bullet used by them would be accounted for and entered in the Register by recording reasons in which encounter it was used.
3. the arms and ammunition would be given to flying squads by an officer authorised to do so. When the mission is over, they would be handed back to the officer concerned.
4. the Forest Department Flying Squads would maintain close liaison with the Enforcement wing of the State Police while making surprise raids.

By order,

S. N. VERMA,

Commissioner-cum-Secretary.

प्रतिज्ञा-पत्र

शिमला-171002, 1 मई, 1995

संख्या गृह (पू०) एफ० (13)-3/94 - कृपया इस विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना में संख्या चिन्तांक 16-11-94 में प्रकाशित की गई विवरणों पृष्ठ 5, यह संख्या 4 पर खगरी नं० 6028 के स्थान पर खगरी नं० 6028/5353 तथा पृष्ठ 10 पर खगरी नं० 6308 के आगे यह संख्या 5 में रकबा 0-7 के स्थान पर 4-7 रकबा पढ़ा जाये तथा पृष्ठ 10 के कुल योग 1255-19 रकबा के स्थान पर कुल योग 1259-19 रकबा पढ़ा जाये।

आदेश द्वारा

हस्ताक्षरित/-

आयुक्त एवं सचिव।

प्राचीन विकास एवं पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला 2, 25 अप्रैल, 1995

संख्या पी० सी० एफ०-एफ० ए० (5) 33/94. यह कि श्री धीरज सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत प्रभाला, विकास खण्ड मरगौर, जिला चम्पा की इस निर्णय के समर्थक आदेश चिन्तांक 16 दिसम्बर, 1994 के द्वारा प्रधान एवं से निवृत्ति किया है;

और यह कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(3) के अधीन निम्नलिखित आदेश की पुष्टि राज्य सरकार द्वारा की जानी आवश्यक है;

और यह कि मामले के सभी पहलुओं पर विचार करने पर यह आवश्यक समझा गया है कि उक्त आदेश की पुष्टि कर दी जाये।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल उन शक्तियों के अधीन जो कि उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(3) के अन्तर्गत प्राप्त हैं या प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल समर्थक आदेश चिन्तांक 16 दिसम्बर, 1994 के अन्तर्गत श्री धीरज सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत प्रभाला, को निवृत्ति किया है की पुष्टि करने के आदेश प्रदान करते हैं। यह आदेश दिनांक 14-3-95 से प्रभावी माने जाएंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

श्रीव उत्साव आयुक्त एवं सचिव।

नगर एवं ग्राम योजना विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 24 अप्रैल, 1995

संख्या टी0 पी0 सी0-एफ (4)-37/94. — हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का समाधान हो गया है कि सराह्न के निम्नलिखित क्षेत्र को लोकहित में विशेष क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाना आवश्यक और समीचीन है :—

"रास्ते द्वारा सीमाबद्ध क्षेत्र (खसरा संख्या 687, 688) श्री खण्ड होटल के पास पुलिस चौकी से प्राथमिक पाठशाला तक, और आगे खसरा संख्या 719, 722, 729, 739 की बाहूया सीमा से होते हुए पूर्व में नाले तक ज्यूरी सराह्न सड़क को जोड़ते हुए बस अड्डे तक (खसरा संख्या 731) सराह्न-रीगोरी सड़क (खसरा संख्या 899) बस अड्डे से आरम्भ होकर (खसरा संख्या 757, 758, 760) राजमहल तक, राजमहल मार्ग से बाजार तक (खसरा संख्या 752) असेनिक अस्पताल की बाहरी सीमा से होते हुए मुख्य बाजार को मिलते हुए (खसरा संख्या 477, 503, 544, 733) श्री खण्ड होटल के समीप पुलिस चौकी तक"।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगर एवं ग्राम योजना अधिनियम, 1977 (1977 का 12) की धारा 66 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त क्षेत्र को "सराह्न विशेष क्षेत्र" के नाम से ज्ञात विशेष क्षेत्र के रूप में अभिहित करते हैं और अधिनियम की धारा 66 की उप-धारा (2) के प्रयोजन के लिए इसकी परिसीमाओं को निम्नलिखित रूप से प्रारिभाषित करते हैं :—

"विशेष क्षेत्र"

उत्तर:— रास्ते द्वारा सीमाबद्ध क्षेत्र (खसरा संख्या 687, 688) और श्री खण्ड होटल के पास पुलिस चौकी से प्राथमिक पाठशाला तक और आगे खसरा संख्या 719, 722, 729 और 730 की सीमा से होते हुए पूर्व में नाले तक।

दक्षिण:— राजमहल मार्ग से बाजार जाने वाला रास्ता (खसरा संख्या 752)।

पश्चिम:— बस अड्डे तक ज्यूरी-सराह्न सड़क सहित (खसरा संख्या 731) और सराह्न रेगोरी सड़क (खसरा संख्या 899) बस अड्डे से शुरू होकर और राजमहल को जाने वाली सड़क से मिलती है (खसरा संख्या 757, 758, 760)।

पश्चिम:— असेनिक अस्पताल की बाहरी सीमा से लगती हुई मुख्य बाजार से (खसरा संख्या 477, 503, 544, 733) श्री खण्ड होटल के नजदीक से पुलिस चौकी तक।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/

विभागाध्यक्ष एवं सचिव

[Authoritative English text of this Department Notification No. TCP-F(6)-37/94 Dated 24-4-1994, as required under Article 348(3) of the Constitution of India].

TOWN AND COUNTRY PLANNING DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 24th April, 1995

No. TCP-F(6)-37/94. Whereas the Governor of Himachal Pradesh is satisfied that it is necessary and expedient, in the Public interest, that the following area of Sarahan shall be developed as Special Area :—

“Area bounded by path (Kh. No. 687, 688) starting from Police Post near Shri Khand Hotel to Primary School, further following the outer boundary of Kh. No. 719, 722, 729, 730 to the Nallah in the east to connect with Jeory-Sarahan road upto Bus stand, (Kh. No. 731) Sarahan-Regori road (Kh. No. 899) starting from Bus stand, meeting the path (Kh. No. 757, 758, 760) leading to Palace, from Palace path leading to Bazar (Kh. No. 752) following the outer boundary of Civil Hospital joining main bazar (Kh. No. 477, 503, 544, 733) to Police post near Shri Khand Hotel”.

And now, therefore, in exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 66 of the Himachal Pradesh Town and Country Planning Act, 1977 (Act No. 12 of 1977) the Governor of Himachal Pradesh is pleased to designate the above area as a Special Area known as “SARAHAN SPECIAL AREA” and to define its limits as under for the purpose of sub-section (2) of section-66 of the Act,

“SPECIAL AREA”

North :—Area bounded by path (Kh. No. 687,688) & starting from police post near Shri Khand Hotel to Primary School and further following the boundary of Kh. No. 719, 722, 729 & 730) to Nallah in East,

South :—Starting from Palace path leading to Bazar (Kh. No. 752).

East :— Alongwith Jeory-Sarahan road upto Bus Stand (Kh. No. 731) and Sarahan-Regori road (Kh. No. 899) starting from Bus Stand, and meeting the Path (Kh. No. 457, 758, 760) leading to palace.

West :— Outer boundary of Civil Hospital joining main Bazar (Kh. No. 477, 503, 544, 733) to Police Post near Shri Khand Hotel.

By order,

Sd/-

Financial Commissioner-cum-Secretary.

